लिख दी ये जिंदगानी

लिख दी ये जिंदगानी, तेरे नाम बांके बिहारी।
तेरे दर पे बीत जाए, मेरी उमर ये सारी।।

तेरे नाम का रस पीता रहूँ , दर्शन की आशा पे जीता रहूँ।
यही बात मन में ठानी,हो जाए कृपा तिहारी।।
तेरे दर पे बीत जाए, मेरी उमर ये सारी।।

लीलाओं का आस्वादन करूं, वाणी से नित नाम गायन करूं।
दर दर की खाक छानी,मिले मुझको शरण तुम्हारी।।
तेरे दर पे बीत जाए, मेरी उमर ये सारी।।

'चित्र विचित्र' के प्यारे हो तुम,पागल के नैनों के तारे हो तुम।
इस जग को क्या बतानी,मेरी तुम्हारी यारी ।।
तेरे दर पे बीत जाए, मेरी उमर ये सारी।।

लिख दी ये जिंदगानी, तेरे नाम बांके बिहारी।
तेरे दर पे बीत जाए, मेरी उमर ये सारी।।

स्वर श्री चित्र विचित्र जी महराज।

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/35414/title/likh-di-ye-zindgani

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |